



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 507]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 20, 1985/कार्तिक 29, 1907

No. 507]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 20, 1985/KARTIKA 29, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

परिवहन मंत्रालय

(अल-भूतल परिवहन विभाग)
(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 1985

अधिसूचना

सां०का०नि० 856(अ) :—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन
न्यास अधिनियम, 1963(1963 का 38) का धारा 132
की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 का उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मद्रास पोर्ट
ट्रस्ट शताब्दी समारोह कोष विनियम, 1985 को जिसका
ब्यौरा संलग्न अनुसूची में दिया गया है, अनुमोदित करती है।

2. यह विनियम सरकारी राजपत्र में इन अधिसूचना के
प्रकाशन का ताराख से लागू माना जायेगा।

[फाइल एल०डॉ०एम०/28/83-एल-II]

योगेन्द्र नारायण, संयुक्त सचिव

अनुसूची

मद्रास पत्तन न्यास (शतकोत्सव स्मारक निधि) विनियम
(आर०आर०सी०/20275(सी)/81/एस)

मद्रास पत्तन न्यास के न्यासों मुख्य पत्तन न्यास अधिनियम,
1963(1963 का 38 वा) का धारा 28 के द्वारा उन्हें
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा उक्त अधिनियम
का धारा 124 के अन्तर्गत केन्द्र सरकार के अनुमोदन से
एतद्वारा निम्नांकित विनियम बनाते हैं, यथा :—

संक्षिप्त नाम :—

1. ये विनियम "मद्रास पत्तन न्यास शतकोत्सव स्मारक
निधि विनियम 1985 कहलायेंगे"।

2. सरकार संस्कारिता का ताराख से ये विनियम लागू
होंगे।

3. परिभाषाएं :

इन विनियमों में अब तक कि संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न हो तो—

(अ) "अधिनियम" से तात्पर्य मुख्य पत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38)

(आ) "बोर्ड" व "अध्यक्ष" क वहां अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया हो।

(इ) "वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी" से तात्पर्य बोर्ड के वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी से है।

(ई) "निधि" से तात्पर्य मद्रास पत्तन न्यास शांतिस्व स्मारक निधि से है।

4. कार्यकारी समिति :

(क) निधि के निवेश पर व्याज के रूप में प्राप्त धनराशियों का उपयोग करने हेतु एक कार्यकारी समिति का गठन किया जायेगा।

(ख) इस कार्यकारी समिति में पांच सदस्य होंगे यथा— अध्यक्ष, मद्रास पत्तन न्यास, वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी, मद्रास पत्तन न्यास और अन्य तीन न्यासी जो समिति के गठन के बाद उसकी पहली बैठक में बोर्ड द्वारा चुने जायेंगे जिनमें से कम से कम एक न्यासी पोर्ट श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करेगा।

(2) अध्यक्ष उक्त समिति के पद पर अधिकारी होंगे और समिति का बैठकी की अध्यक्षता करेंगे और उन्हें मत देने का अधिकार होगा।

(3) (अ) समिति के समक्ष प्रस्तुत किये गये सभी मामलों का निर्णय बहुमत से लिया जायेगा। समिति के न्यासी सदस्य तब तक इस समिति के सदस्य बने रहेंगे जब तक वे बोर्ड के न्यासी होंगे।

(2) कार्यकारी समिति के गठन में किन्हीं रिस्का के कारण अथवा कार्यकारी समिति की बैठक में किन्हीं सदस्य के अनुपस्थित होने के कारण समिति का कोई भी अधिनियम अथवा कार्यवाही निर्णय अवैध नहीं होगा।

3. मद्रास पत्तन न्यास के सचिव के विभाग का एक अधिकारी, जिस अध्यक्ष नामित करेंगे, कार्यकारी समिति के सचिव के रूप में कार्य करेगा और समिति के कार्य के लिये सहाय्य प्रहायता देगा। समिति के निर्णयों का कार्यान्वयन करना समिति के सचिव का कर्तव्य होगा।

5. कार्यकारी समिति के अधिकार :—

(1) कार्यकारी समिति विनियम 4 और 7 के तहत पद पर अधिकारों के अलावा अपने कारोबार के संचालन हेतु

निम्नलिखित में से सय या किसी भी मामले पर निर्णय करेगी :—

(अ) समिति जिस ढंग से अपना कारोबार संचालित करेगी।

(आ) योजनाओं के प्रबंध में किये गये व्यय की कार्यविधि।

(इ) समिति के सचिव के कर्तव्य और अधिकार।

(ई) बनाये जाने वाले रजिस्टर तथा अभिलेख।

(उ) लेखों की प्राप्तियाँ और व्ययों के रखरखाव की विधि।

(ऊ) समिति से वित्तीय सहायता प्राप्त कार्यकलापों की रिपोर्ट का प्रकाशन और

(ख) समिति के कार्य में संगत कोई अन्य मामला।

(2) इन विनियमों के अर्थ निर्णय के संबंध में कोई प्रश्न उठने पर कार्यकारी समिति का निर्णय अंतिम होगा।

6. निधि का गठन :

(क) मद्रास पत्तन न्यास के न्यासी मद्रास पत्तन न्यास के शांतिस्व में से "मद्रास पत्तन न्यास शांतिस्व स्मारक निधि" गठित करके 25 लाख रुपये देगे।

(ख) यह निधि न्यासियों के अर्पित रहेगी और इसे सुरक्षित रूप में सम्हालेगी।

7. निधि का निवेश :

(क) विनियम 4 के संदर्भानुसार कार्यकारी समिति द्वारा समय समय पर लिये निर्णयानुसार निधि को राशि या उसके किसी अंश का निवेश वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा किया जायेगा। निवेश निम्नलिखित में किन्हीं एक या अधिक रूप में हो सकता है।

1. अधिनियम की धारा 88 (2) में निर्दिष्ट "प्रत्याभूतियों"

2. यूनिट ट्रस्ट आफ इंडिया द्वारा जारी किये गये "यूनिट"

3. "पत्तन न्यास प्रत्याभूतियों" तथा अधिनियम का धारा 2 की उपधारा (ए) में अभिप्रेत।

4. किसी राष्ट्रीयकृत बैंक या बैंकों में सहकारी बैंकों से तथा भारत के सरकारी उपक्रम में स्थायी आवधिक जमाओं में।

(ख) निधि के निवेशों एवं उसके नुकद जोष पर अर्जित व्याज का भी उसी रूप में केवल उस सीमा तक यह व्याज विनियम 4 में संदर्भित कार्यकारी

समिति को अपने तुरन्त उद्देश्यों के लिये आवश्यक न हो, निवेश किया जायेगा।

- (ग) वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी उपरोक्त उप धारा (क) और (ख) का अनुसरण करते हुए वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी निवेश और उस पर अर्जित व्याज के लिये अलग-अलग लेखा संभालेंगे।

8. व्याज का प्रयोग :

- (क) वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी निवेशों पर अर्जित व्याज को, बैंक प्रभारादि प्राथमिक व्यय काटकर, जब-जब कार्यकारी समिति को आवश्यक हो, उसे सौंपेंगे।
- (ख) इस प्रकार उसे प्राप्त धनराशियों का उपयोग कार्यकारी समिति समय-समय पर अध्यक्ष द्वारा निर्धारित किये गये के आधार पर मद्रास पत्तन न्यास के वर्तमान और भूतपूर्व कर्मचारियों तथा उनके परिवारों के हितों एवं आवश्यकताओं हेतु योजनाओं पर किये जाने वाले व्यय के लिये करेगा, यथा :—

(1) निवारक एवं रोगाहारी चिकित्सा परिवर्तन परिवार नियोजन एवं बाल कल्याण।

(2) बिकलांग और अमहायों के पुनर्वास के लिये उपाय।

(3) कर्मचारियों के आश्रितों को व्यावसायिक प्रशिक्षण।

(4) शारीरिक स्वस्थता तथा दमन हेतु कार्यक्रम।

(5) सैर, यात्रा और नाटक एवं अन्य मनोरंजन के माधन।

(6) चिकित्सा अयोग्य या अधिक पिता प्राप्त कर सेवा निवृत्त हुए कर्मचारों के पेंशन का अभाव होने पर सहायता देना।

(7) सामाजिक प्रकृति के समन्वित कार्यक्रम।

(8) कुशलता को वृद्धि हेतु सेवाकालीन प्रशिक्षण।

(9) विज्ञान अध्ययन यात्रा/अध्ययन पाठ्यक्रम।

(10) कला, विज्ञान, वाणिज्य में स्नातकोत्तर अध्ययन या व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उच्च शिक्षा के लिये।

(11) कर्मचारों के सेवानिवृत्त होने पर उसके कम से कम एक बच्चे के लिये छात्रवृत्ति।

(12) ऐसा अन्य योजनाएं, जो कार्यकारी समिति को राय में कर्मचारियों तथा उनके परिवारों को सामाजिक परिस्थितियों में सुधार ला सके।

टिप्पणी :

(1) उपर्युक्त सूची संपूर्ण नहीं है। निम्नलिखित उप धारा (क) में की व्यवस्था के अनुसार कार्यकारी समिति किसी अन्य योजना पर विचार कर सकती है, अन्य योजना बना सकती है या अपना सकती है।

(2) निधि का उद्देश्य अपने कर्मचारियों के संबंध में प्रयोज्य सेवा शर्तों के अधीन या किसी प्रचलित विधि के अधीन नियोक्ता से अपेक्षित कल्याण-उपायों का दायित्व घटाना नहीं है।

(3) कर्मचारियों को उपर्युक्त (1), (2) व (3) में सूचित योजनाओं के अन्तर्गत प्राथमिक लाभ प्रमाणीकृत मुसीबतों को असाधारण स्थितियों तक हो सीमित रहेंगे।

(4) कार्यकारी समिति द्वारा स्वयोजित योजनाओं में हुआ व्यय तथा विशिष्टतः इसी उद्देश्य हेतु लाये गये कर्मचारियों के वेतन, भत्ते आदि पर किया गया व्यय, और प्रशासनिक, लेखा एवं लेखा परीक्षा संबंधी कार्यों पर किया गया व्यय बोर्ड वहन करेगा।

(घ) किये गये व्यय के संबंध में कार्यकारी समिति का निर्णय अंतिम होगा तथा बोर्ड या केन्द्र सरकार से मंजूरी का बाध्य न होगा, बशर्ते कि व्यय का लक्ष्य उस समय प्रचलित किसी भी विधि का उल्लंघन न करता हो और योजना के ध्येय से असंगत न हो।

9. व्याज लेखा का प्रचालन :

(क) कार्यकारी समिति का सचिव किन्ती राष्ट्रीयकृत बैंक में एक खाता खोलेंगा, जिसमें वित्त सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा सौंपी गयी धनराशियां जमा की जायेंगी। निधि के उद्देश्य से किये जाने वाले व्यय हेतु अपेक्षित धनराशि इस खाते से प्राप्त की जायेगी।

(ख) अध्यक्ष के अनुमोदन से वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा नामित एक अधिकारी के साथ कार्यकारी समिति का सचिव संयुक्त रूप से पूर्वोक्त खाते का परिचालन करेगा।

(ग) समिति के दिन-दिन व्यय के लिये अग्रदाय धन राशि जो आवश्यक हो, कार्यकारी समिति के सचिव को, अध्यक्ष दे सकते हैं। कार्यकारी समिति के सचिव से अपेक्षित विलों को प्राप्ति पर वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी अग्रदाय धन की आपूर्ति करेगा।

(घ) कार्यकारी समिति के सचिव द्वारा लेखा रखा जायेगा तथा वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा-धिकारी को आवधिक जांच के लिए प्रस्तुत किया जायेगा।

10. लेखों का लेखा परीक्षा :

कार्यकारी समिति के सचिव द्वारा रखे गये लेखों का वित्त सचिव और एवं मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा प्राधिकृत अधिकारी जैसा कि वह उचित समझे, जांच करेगा, और विनियम 11 के अनुसार वार्षिक प्राप्ति और वितरण के सहा होने को सत्यापित करेगा।

11. क्रियाकलापों पर वार्षिक प्रतिवेदन . प्रत्येक वित्त वर्ष के समाप्त होने के बाद, यथाशक्ति कार्यकारी समिति का सचिव समिति के उस वर्ष के क्रियाकलापों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इसमें साधारण प्राप्ति और वितरण केन्द्र शामिल होंगे। वितरण के बारे में उद्देश्यपर अभिलेखित होंगे।

MINISTRY OF TRANSPORT

(Department of Surface Transport)

(Ports Wing)

New Delhi, the 20th November, 1985

NOTIFICATION

G.S.R. 856(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 read with sub-section (1) of section 132, of the major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Madras Port Trust (Centenary Commemoration Fund) Regulations, 1985, as set out in the Schedule attached.

2. The said regulations shall come into force from the date of issue of this Notification in the Official Gazette.

[File No. LDM/28/83-L. II]

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

SCHEDULE

MADRAS PORT TRUST (CENTENARY COMMEMORATION FUND) REGULATIONS

(RRC/20275(C)/81(S))

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) and with the approval of the Central Government under Section 124 of the said Act, the Trustees of the Port of Madras hereby make the following Regulations, namely :—

SHORT TITLE :

1. These Regulations may be called the 'Madras Port Trust Centenary Commemoration Fund Regulations, 1985'.

2. They shall come into force from the date of Government sanction to these Regulations.

3. DEFINITIONS :

In these Regulations unless the context otherwise requires

- (a) 'Act' means the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963)
- (b) 'Board', 'Chairman', shall have the meaning assigned to them under the Act.
- (c) 'Financial Adviser and Chief Accounts Officer' means the Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Board.
- (d) 'Fund' means the Madras Port Trust Centenary Commemoration Fund.

4. EXECUTIVE COMMITTEE :

- (a) There shall be constituted an Executive Committee for the purpose of utilising the moneys received by way of interest on the investment of the Fund.
 - (b) The Executive Committee shall consist of 5 members viz. the Chairman, Madras Port Trust, the Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Madras Port Trust and three Trustees to be selected by the Board in its first meeting after its own constitution of whom at least one shall be a Trustee representing the Port labour on the Board.
2. The Chairman shall be the ex-Officio Chairman of the said Committee and shall preside over the meetings of the Committee and shall have a casting vote.
 3. (a) All matters placed before the Committee shall be decided by a majority of votes. The Trustee members of the Committee shall continue as members only for so long as they are Trustees of the Board.
 - (b) No act or proceedings or decision of the Committee shall be invalid merely by reasons of any vacancy in the composition of the Executive Committee or absence of a member of the Executive Committee from a meeting.

4. An Officer of the Secretary's department, Madras Port Trust, nominated by the Chairman shall function as the Secretary of the Executive Committee and provide Secretarial assistance for the Committee's work. It shall be the duty of the Secretary of the Committee to implement the decisions of the Committee.

5. POWERS OF THE EXECUTIVE COMMITTEE

1. The Executive Committee shall in addition to the powers conferred under regulation 4 and 7, decide all or any of the following matters for the conduct of its business :—

- (a) the manner in which the committee shall conduct its business;
- (b) the procedure for defraying the expenditure incurred in administering schemes;

- (c) the duties and powers of the Secretary of the Committee;
- (d) the registers and records to be maintained;
- (e) the manner in which the accounts of the receipts and expenditure shall be maintained;
- (f) the publication of the report of the activities financed by the Committee; and
- (g) any other matter relevant to the functioning of the Committee.

2. The decision of the Executive Committee shall be final, if any question arises regarding the interpretation of these Regulations.

6. CONSTITUTION OF THE FUND :

- (a) The Trustees of the Port of Madras shall constitute a fund called the 'Madras Port Trust Centenary Commemoration Fund' by a contribution of Rupees 25 lakhs out of the revenues of the Madras Port Trust.
- (b) The fund shall vest in, and be held intact by the Trustees.

7. INVESTMENT OF THE FUND :

- (a) The amount of the fund or any portion thereof shall be invested by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer, as may be decided, from time to time, by the Executive Committee (referred to in Regulation 4). The investment may be in any one or more of the following modes of investment.
 - (i) 'Securities' as specified in Section 88(2) of the Act.
 - (ii) 'Units' issued by the Unit Trust of India;
 - (iii) 'Port Trust Securities' within the meaning of Sub-section (S) of Section 2 of the Act.
 - (iv) Fixed or term deposit with any Nationalised Bank or Banks, Co-operative Banks and Public Sector Undertakings in India.
- (b) The interest earned on the investments of the Fund and on its cash balances may be similarly invested to the extent such interest is not required by the Executive Committee, referred to in Regulation 4 of or its immediate purposes.
- (c) The Financial Adviser & Chief Accounts Officer shall maintain separate accounts of the investments made in pursuance of sub-clauses (a) and (b) above and of the interest earned thereon.

8. APPLICATION OF THE INTEREST :

- (a) The interest earned on the investments less incidental expenses, such as bank charges etc. shall be made over periodically by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer, as and when required by the Executive Committee.

- (b) The moneys—so received by the Executive Committee shall on such criteria as may be held down by the Chairman from time to time utilised by it for defraying expenditure on schemes for the benefit or needs of Madras Port Trust employees, past and present, and their families, such as :

- (i) medical care, both preventive and curative; family planning and child welfare;
- (ii) measures for rehabilitation of the physically handicapped or disabled;
- (iii) Vocational training for dependants of employees;
- (iv) Programme for physical fitness and efficiency;
- (v) Excursions, tours and holiday homes, dramas and other forms of entertainments;
- (vi) Assistance on medical invalidation or retirement on superannuation when the employee is ineligible for any pension;
- (vii) Corporate activities of a social nature;
- (viii) In service training for advancement of skill;
- (ix) Special study tours|Study courses;
- (x) For higher education for post graduate study in Arts, Science, Commerce or in professional courses;
- (xi) Scholarship to atleast one child of an employee after his retirement;
- (xii) such other Schemes as would in the opinion of the Executive Committee ameliorate the social conditions of Port Trust employees and their families.

NOTES : (1) The above list is not exhaustive. The Executive Committee, may consider, devise and adopt any other schemes as provided in Sub-clause (d) below.

- (2) The object of the Fund is not to reduce the liability of the employer for the welfare measures which they may be required to undertake under any law for the time being in force or under conditions of service applicable to their employees.
- (3) The benefits accruing to the employees in terms of the schemes listed at (i), (ii) and (x) above shall be confined to exceptional cases of proven hardship.
- (4) The expenditure incurred by the Executive Committee on implementing the schemes devised by it and on the salaries, allowances, etc. of the staff which might have to be engaged specifically for the purpose as well as the expenditure incurred on any additional staff engaged for administrative, accounting or audit purposes shall however be borne by the Board.

- (5) The decisions of the Executive Committee in regard to the incurrence of expenditure shall be final and not subject to the sanction of the Board and/or the Central Government, provided that the objects of such expenditure do not contravene any law for the time being in force and are not inconsistent with the objectives of the Scheme.

9. OPERATION OF THE INTEREST ACCOUNT:

- (a) The Secretary of the Executive Committee shall open, in any of the Nationalised Bank an account, to which shall be credited any amounts that may be transferred from time to time by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer. The amount required for meeting the expenditure on the objectives of the fund shall be drawn from this account.
- (b) The Secretary of the Executive Committee shall be authorised to operate the aforesaid account jointly with another officer to be nominated by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer with the approval of the Chairman.
- (c) It shall be open to the Chairman to grant the Secretary of the Executive Committee an imprest of such amount as may be considered necessary to meet the day-to-day expenditure of the Committee. The Finan-

cial Adviser and Chief Accounts Officer shall recoup the imprest on receipt of the requisite bills from the Secretary of the Executive Committee.

- (d) Suitable books of accounts shall be maintained by the Secretary of the Executive Committee, and shall be made available to the Financial Adviser and Chief Accounts Officer periodically for check.

10. AUDIT OF THE ACCOUNTS :

An Officer authorised by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer shall conduct such checks as he may consider necessary, of the accounts maintained by the Secretary of the Executive Committee and also certify the correctness of the annual receipts and disbursements account referred to in Regulation 11.

11. ANNUAL REPORT ON ACTIVITIES :

The Secretary of the Executive Committee shall submit, as soon as may be after the close of each financial year, to the Board, a report on the activities of the Committee during that year, together with an ordinary receipts and disbursements account, the particulars of disbursements being recorded objective-wise.